The model bye-laws of Primary Agricultural Credit Societies prepared by the Reserve Bank and circulated to all State Governments for adoption include the principle of universal membership for all eligible persons residing in the area, including the Scheduled Castes and Scheduled Tribes earmarking for them a portion of credit and reservation of adequate number of their representatives in the Managing Committee of societies. Some of the State Governments have already initiated action by undertaking the necessary amendments to the cooperative societies Acts for implementing the suggestions regarding universal membership and adequate number of their representatives in the Managing Committees of the societies.

For the tribal areas separate sub-plans have been adopted. The base level cooperative credit structure is also being reorganised by creating large-sized multi-purpose co-operative societie (LAMPS) at the 'Hat' level or at Block level, with the object of providing integrated credit, services and supplies in the tribal areas. The Reserve Bank has given loans to the State Governments amounting to Rs. 324.1.. lakhs during the year 1976-77 to enable them to contribute to the share capital of as many as 748 LAMPS

बक्सर कोईलवर तटबन्ध

3647. **श्री जगदेव प्रसाद वर्मा :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में गंगा नदी तथा सोन नदी की बाढ़ से भोजपुर जिले को बचाने के लिए तथा उस क्षेत्र के विकास के लिए बक्सर कोईलवर तटबंध के निर्माण में देर के क्या कारण हैं ; और

(ख) क्या सरकार इस वर्ष जून तक पूरे तटबंध का निर्माण करके इस जिले के क्षेत्र को बाढ़ से बचायेगी ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). 35.67 करोड़ रुपये की लागत वाली बक्सर कोइलवार स्कीम का क्रिया-वयन बिहार सरकार द्वारा चरणबद्ध रूप में किया जा रहा है। इस स्कीम में गंगा के दक्षिणी किनारे से 96 किलोमीटर, गंगा और सोन संगम से कोइलवार तक सोन के पश्चिमी किनारे के साथ 11 किलोमीटर, गंगी (पश्चिमी) के दोनों किनारों के साथ 20 किलोमीटर और गंगा पूर्वी के दोनों किनारों के साथ 38 किलोमीटर लम्बे तटबंधों के निर्माण की परिकल्पना की गई है। इस स्कीम से 79,000 हैक्टयर क्षेत्र को लाभ पहुंचने की उम्मीद है।

इस प्रकार के बड़े तटबंधों का निर्माण चरणबद्ध रूप में करना पड़ता है। बक्सर-कोईलवार स्कीम का निर्माण कार्य 1973-74 में शुरू किया गया था और धन के उपलब्ध होने पर इस स्कीम के 1979-80 के अन्त तक पूरा हो जाने की संभावना थी। परन्तु धन की कमी के कारण, और 1975 में जलप्लावन के बाद पटना बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर हाथ में लेने की आवश्यकता के कारण धन की और कमी हो जाने से इस स्कीम पर मार्च, 1978 तक लगभग 500 लाख रुपये की धनराशि खर्च की जा सकी। 1978-79 के दौरान इस स्कीम के लिए 100 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है।

Pay scales and amenities to university teachers

3648. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) difference between the pay and other amenities to teachers in the Central Universities and other State Universities; and